

Code No.: MFVDSY-10

Total No. of Questions : 5

Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५

एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - प्रथमवर्षम्

वेदः - शुक्लयजुर्वेदधनान्तः

भागः - १, पत्रिका - ५

विषयः - कात्यायनीय प्रातिशाख्यम्

दिनाङ्कः - 30-3-2015

गरिष्ठाङ्काः - ८०

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 80

I. सूत्रानुसारेण विवृणुत।

5 × 5 = 25

१. लौकिकानां अर्थपूर्वकत्वात्।
२. सिमादितोष्टौ स्वराणाम्।
३. द्वितीय चतुर्थाः सेष्मणाः।
४. पूर्ववाननुदेशः।
५. भाविभ्यः सः षं समानपदे।

II. इमानि पूरयत।

5 × 3 = 15

१. जिह्वामूलीयो _____ शाकटयानः।
२. इवर्ण _____ प्रश्लिष्टः।
३. ऐकारैकारयो _____ योरुत्तरा।
४. स्याद्वा _____ नियमः।
५. ऋषरेफेभ्यो _____ समानपदे।

III. शब्दस्वरूपं सूत्ररीत्या विवृणुत।

1 × 10 = 10

Code No.: MFVDSY-10

IV. प्रकटयत।

5 × 3 = 15

१. सन्ध्यक्षराणिकानि।
२. के स्पर्शाः।
३. के यमाः।
४. कानि व्यञ्जनानि।
५. कः सवर्णः।

V. श्लोकानिपूरयित्वा व्याख्यात।

5 × 3 = 15

१. ब्रह्मणः प्रणवं _____ विशीर्यते।
 २. ओंकारश्च _____ वुभौ।
 ३. द्वावेतौ _____ द्विजः।
 ४. स्वरोवर्णेऽक्षरं _____ पदे पदे।
 ५. नास्ति सर्वत्र _____ नमः।
-